परम पू. कैलाश जी 'मानव'

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-10 ● अंक » 125 ● मुद्रण तारीख » 1 मई-2022 ● कुल पृष्ठ » 32

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Since 1985
Our Religion is Humanity

PARALYMPIC COMMITTEE
INDIA

21 वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप

हौंसले के जज़्बे को सलाम

निर्जला एकादशी के दान पर्व पर दिव्यांगों को देवें कृत्रिम अंगों का उपहार

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

सेवा सौभाग्य

दिव्यांगों को अपना आशीर्वाद देनें के लिए एक बार अवश्य पधारें

1 मई, 2022

वर्ष 10 ▶ अंक 125 ▶ मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 32

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक ▶ कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक ▶ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▶ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▶ विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
+91-294-2666666
वाट्सअप : +91-7023509999

Web ▶ www.narayanseva.org
E-mail ▶ info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 May, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,00,000) cost- Rs.5/-

इस माह

समन्वय से ही परिवार में खुशी
07

21वीं नेशनल पैरा स्विमिंग...
08

बच्चों ने उल्लास से मनाए उत्सव
15

अब रूकेंगे नहीं, थकेंगे भी नहीं
16

जीव दया से जीवन सार्थक
21

भगवत्कृपा के प्रेरक अनुष्ठान
22

दिव्यांगजन की तैराकी का सफल महाकुम्भ

मार्च के प्रथम सप्ताह में दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवतियों के सफल 37वें निःशुल्क सामूहिक विवाह के बाद 25, 26 व 27 मार्च को उदयपुर के महाराणा प्रताप खेलगांव के तरणताल पर 21वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप का आयोजन भी सफलता से सम्पन्न हुआ। जिसमें देश के 23 राज्यों व सेना की टीम के साथ 400 दिव्यांग तैराक शामिल हुए।

इस चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने ऐसे-ऐसे पैरा स्विमर्स (महिला-पुरूष) आए, जिनमें किसी के दोनों हाथ नहीं थे, तो कोई अपने दोनों पैरों को बीमारी या हादसे में खो देने के बाद भी हिम्मत नहीं हारा था। उन पैरा स्विमर्स की चुस्ती-फुर्ती भी देखते ही बनती थी जो पूर्णतः दृष्टि बाधित होते हुए भी तरणताल की लेन में अपनी कलात्मक तैराकी से प्रभावित कर रहे थे। उन्हें इसका कोई गम नहीं था कि वे अपनी आंखों से दुनिया नहीं देख सकते, उनका हुनर ही उनकी आंखें हैं और उसी से वे दुनिया को देखते - पहचानते और दुलारते हैं। उन्हें तैराकी के दौरान पूल के बीच बिछाई जाने वाली लेन से कई बार जख्मी भी होना पड़ा। लेकिन बिना प्रोफेशनल प्रशिक्षण के भी बेस्ट पैरा स्विमर्स का मुकाम हासिल कर जिन्दगी को खुशनुमा बनाने की जिद को पूरा किया। तैराकी के इस राष्ट्रीय महाकुम्भ में राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही देश के महानतम पैरा खिलाड़ियों ने बतौर अतिथि उपस्थिति देकर आयोजन को गरिमा तो प्रदान की ही, तैराकों का उत्साह वर्धन भी किया। पैरा ऑलम्पियन पद्म भूषण श्री देवेन्द्र झाझरिया व अर्जुन अवार्डी विश्व के नम्बर दो पैरा बेडमिंटन खिलाड़ी श्री कृष्णा नागर ने अपनी दिव्यांगता का जिक्र करते हुए जीवन में संघर्ष से सफलता तक की कहानी को बयान किया तो दर्शक दीर्घाएं तालियों से गूंज उठीं। इस आयोजन की सफलता का मुख्य श्रेय संस्थान के दानदाताओं व देश भर से आए दिव्यांग स्विमर्स को तो है ही उनके साथ ही पैरालम्पिक कमेटी ऑफ इण्डिया के स्वीमिंग प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. वी.के. डबास एवं उनकी कार्यकारिणी, जिला प्रशासन महाराणा प्रताप खेलगांव सोसायटी, जिला स्पोर्टस अधिकारी व संस्थान के समर्पित कार्यकर्त्ताओं की उस टीम को भी है, जिसने रात-दिन परिश्रम किया।

संस्थान इन आयोजनों की उपयोगिता, सफलता और नवत्संर के अभिनन्दन की खुशियों में सेवा कार्यों के साथ संलग्न था ही कि अचानक ऐसा वज्रापात हुआ, जो संस्थान के लिए असहनीय था। 2 अप्रैल को नवसंवत्सर 2079 की शोभायात्रा को सानन्द सम्पन्न कर वरिष्ठ साथी और योजना विभाग के प्रभारी भाई श्री दल्लाराम 3 अप्रैल की सुबह आकस्मिक रूप से हमें अलविदा कह कर परमधाम को प्रस्थान कर गए। पिछले 22 वर्ष से संस्थान के हर सेवा कार्य की जिम्मेदारी को उन्होंने 100 फीसद सफलता के साथ पूर्ण किया। उनके रूप में संस्थान ने एक बहुमूल्य निधि को खो दिया है। उन्हें शत्-शत् प्रणाम।

संस्थान अध्यक्ष 'सेवक' प्रशान्त भैया

दो तरह के दंश

चाटुकार अथवा मायावी की बातों से मनुष्य की आत्मा अपनी सुध-बुध खो बैठती है तथा अपने लाभ-हानि के अंतर को भूलकर मनुष्य कुमार्ग के गर्त में गिर पड़ता है।

प्राचीन काल में किसी देश का राजा बड़ा बुद्धिमान और कुशल शासक था। उसने अपनी राजसभा में उच्च कोटि के विद्वानों तथा धर्म मर्मज्ञों को स्थान दिया हुआ था। प्रतिदिन उन सबसे विभिन्न विषयों पर चर्चा तथा विचार विमर्श करता रहता था। इस प्रकार वह अपने राज - कार्य का न्यायपूर्वक निर्वाह कर रहा था।

एक दिन उसने अपने दरबार में उपस्थित पदाधिकारियों से प्रश्न किया, 'इस संसार में सबसे तेज काटने वाला जीव कौन है?'

उत्तर में किसी ने बर्र, किसी ने मधुमक्खी, बिच्छू, सर्प आदि को तेज काटने वाला बताया। किन्तु राजा उनके उत्तरों से सन्तुष्ट नहीं दिखाई दिया। तब उसने अपने वयोवृद्ध और अनुभवी महामंत्री की ओर देखा, जो मौन रहकर सभी विद्वानों के उत्तरों को सुन रहे थे। राजा ने कहा, मंत्रिवर आपने कुछ बताया नहीं? आप भी अपना मन्तव्य रखें। मंत्री बोले, राजन मेरे विचार में विषधर जन्तुओं की अपेक्षा सर्वाधिक तेज काटने वाले दो प्रकार के मानव होते हैं-निंदक और चाटुकार। मंत्री का उत्तर सुनकर सभा में सन्नाटा छा गया। राजा सहित सभी की अपनी तरफ प्रश्नमय दृष्टि को देखकर अपनी बात को स्पष्ट करते हुए मंत्री जी ने कहा राजन, ईर्ष्या और द्वेष आदि के विष से भरा हुआ निंदक मनुष्य को पीछे से काटता है, जिसके प्रभाव से आत्मा तिलमिला उठती है और दूसरा चाटुकार व्यक्तिहितैषी बनकर अपनी वाणी में खुशामद का मीठा विष भरकर सम्मुख से ही व्यक्ति के मन में उतारता है। परिणाम स्वरूप वह अहंकार से चूर होकर अपने दुर्गुणों को ही गुण मानकर पथभ्रष्ट हो जाता है। वह सत्यासत्य का निर्णय किए बिना ही बुरे कर्म या विकर्म करता हुआ आत्मा के पतन की ओर बढ़ता चला जाता है।

सभासदों ने मंत्री के सम्मान में तालियां बजाई। राजा भी इस उत्तर से संतुष्ट हो गया। उसे अपने महामंत्री की बुद्धिमत्ता पर गर्व था।

संस्थापक चेयरमैन कैलाश 'मानव'

NARAYAN SEVA SANSTHAI
Our Religion is Humanit

एकाग्रता का महत्व

वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस परिसर में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था।

उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बना लेते हैं आप? वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। मैं इन दिनों एक खतरनाक शेर को पालतू और सामान्य बनाने की कोशिश में जुटा हूं। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं। नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता।

शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर निस्तेज हो जाता है। कुछ ही दिनों में वह वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, 'अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।' नौजवान ने तभी तय कर लिया कि वह जीवन में हर काम एकाग्र होकर ही करेगा..!!

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

समन्वय से ही परिवार में खुशी

परिवार में एक की सफलता सबकी सफलता होती है। अगर हम बहस करके एक-दूसरे को नीचा दिखाएं तो, पूरे परिवार के लिए दुःखदायी होगा। इसीलिए परिवार को तोड़ना नहीं जोड़ना सीखें, ऐसा करने से आप एक खुशहाल और शांतिपूर्ण परिवार का हिस्सा बन जायेंगे।

दो परिवार एक दूसरे के पड़ोस में ही रहते थे। एक परिवार हर वक्त परस्पर लड़ता ही रहता था, जबकि दूसरा परिवार सभी के साथ शांति और मैत्रीपूर्ण तरीके से रहता था। एक दिन, झगड़ालू परिवार की पत्नी ने शांत पड़ोसी परिवार से ईर्ष्या महसूस करते हुए अपने पति से कहा, अपने पड़ोसी के वहाँ जाओ और देखो कि इतने अच्छे तरीके से रहने के लिए वो क्या करते हैं। पति वहाँ गया, और छुप के चुपचाप देखने लगा।'

उसने देखा कि घर की मालकिन फर्श पर पोंछा लगा रही है। अचानक रसोई से कुछ आवाज आने पर वो रसोई में चली गई।'तभी उसका पति एक कमरे की तरफ भागा। उसका ध्यान नहीं रहने के कारण फर्श पर रखी बाल्टी से ठोकर लगने से बाल्टी का सारा पानी फर्श पर फैल गया। उसकी पत्नी रसोई से वापिस आयी और अपने पति से बोली, माफ करना जी! यह मेरी गलती थी कि मैंने रास्ते से बाल्टी को नहीं हटाया।पति ने जवाब दिया, "नहीं भाग्यवान, मेरी गलती है, क्योंकि मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया। झगड़ालू परिवार का पति जो छुपा हुआ था वापस घर लौट आया, तो उसकी पत्नी ने पड़ोसी की खुशहाली का राज पूछा। पति ने जवाब दिया, उनमें और हम में बस यही अंतर है कि हम हमेशा खुद को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। एक-दूसरे को गलती के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। जबकि वो हर गलती के लिए खुद जिम्मेदार बनते हैं और अपनी गलती मानने के लिए तैयार रहते हैं।

एक खुशहाल और शांतिपूर्ण रिश्ते के लिए जरुरी है कि हम अपने अहंकार को एक तरफ रखें और अपने स्वयं के हिस्से के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी को ध्यान में रखें। एक दूसरे को दोषी ठहराने से दोनों का नुकसान होता है और अपने रिश्ते भी खराब हो जाते हैं।

21 वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप

किसी तैराक के दोनों हाथ नहीं थे तो किसी के दोनों पांव, कोई देख नहीं सकता था तो किसी के हाथ-पांव अविकसित थे। लेकिन एक बात सबसे सामान्य थी जोश व जीतने का जज़्बा और जीवन में किसी भी परेशानी से हार नहीं मानने का संकल्प। अपनी प्रतिभा और क्षमता से जीवन को बुलन्दियों का आकाश देने की पानी में हैरतअंगेज करतबों को सबने सराहा।

नारायण सेवा संस्थान एवं पीसीआई के साझे में हुई सम्पन्न, महाराष्ट्र बना विजेता भारत भर से 400 दिव्यांग तैराकों ने लिया हिस्सा...

यह नजारा था संस्थान द्वारा 25, 26 व 27 मार्च को आयोजित महाराणा प्रताप खेलगांव में शुरू हुई त्रिदिवसीय 21वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैम्पियनशिप का जिसमें सेना की एक टीम सहित 23 राज्यों के 400 दिव्यांग स्त्री-पुरूष तैराकों ने भाग लिया। पैरालिम्पिक कमेटी ऑफ इंडिया एवं नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान व महाराणा प्रताप खेलगांव सोसायटी के सहयोग से आयोजित

इस चैम्पियनशिप के उद्‌घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पद्मभूषण एवं पैरा ऑलम्पियन देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को समाज और सरकार द्वारा जो सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं उससे निश्चित रूप से दिव्यांगों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने ने पिछले ऑलम्पिक में 19 पदक हासिल कर इस बात को सिद्ध कर दिया है कि शारीरिक अक्षमता हौसले और उचित प्रशिक्षण से उनके विकास में बाधक नहीं हो सकती। उद्‌घाटन समारोह की अध्यक्षता जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि ऑलम्पियन अर्जुन अवार्डी कृष्णा नागर, एसडीएम गिर्वा सलोनी खेमका, जे आर नागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस एस सारंगदेवोत ,राजस्थान सिंधी साहित्य एकेडमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी,पैरा ऑलम्पिक कमेटी के तैराकी चैयरमेन डॉ वी के डबास, संयुक्त सचिव कान्ति भाई परमार, जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन एवं स्विमिंग कोच महेश पालीवाल थे। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ ही इंद्रधनुषी रंगों के गुब्बारे उड़ा कर चैंपियनशिप का शुभारंभ किया गया। संस्थान संस्थापक चैयरमैन पद्मश्री कैलाश जी मानव एवं संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने अतिथियों, पैरा तैराकों, टीम प्रबंधकों, प्रशिक्षकों का स्वागत किया। राजस्थान की टीम के पिंटू कुमार ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न चेनल्स के माध्यम से देशभर में किया गया। समारोह में विंग कमांडर एम एल एस प्रसाद, ग्रुप कैप्टन दिनेश सूरी एवं निदेशक वंदना अग्रवाल ने भी तैराकों की हौसला अफजाई की।

-महाराष्ट्र का चैम्पियनशिप पर कब्जा

शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से व्यक्ति चाहे किसी भी विकट परिस्थिति में हो, लेकिन मन में कुछ गुजरने का दृढ़ संकल्प हो तो वह जीत की मुहर लगा ही देगा। त्रिदिवसीय 21वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैम्पियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान विधान सभा में नेता

प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने यह बात कही। उन्होंने दिव्यांगजन की शिक्षा, चिकित्सा, पुनर्वास एवं विकास के क्षेत्र में नारायण सेवा संस्थान की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान के पूर्व खेलमंत्री एवं सांसद रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि शारीरिक दृष्टि से अक्षम होने के बावजूद हौसला किस तरह बुलन्दियों का आकाश छू सकता है, उसकी मिसाल थे, देश भर से जुड़े दिव्यांग तैराक। उन्होंने कहा कि दिव्यांजनों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और योगदान से पूरे समाज को प्रेरित किया है। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांग खेल प्रतिभाओं के विकास में योगदान की प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि यूआईटी के पूर्व चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली व राजस्थान तैराकी संघ के सचिव चन्द्र गुप्त सिंह चौहान ने भी विचार व्यक्त किये। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान की स्पोर्टस् एकेडमी शीघ्र ही कार्य आरम्भ करेगी। पैरालिम्पिक कमेटी ऑफ

इण्डिया के तैराकी चेयरमैन डॉ. वी.के. डबास ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि दिव्यांगता की दृष्टि से वर्गीकृत कुल 14 श्रेणियों में 306 पुरूष व 77 महिलाओं ने भाग लिया। कुल 245 रेस हुई। 21वीं राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप पर महाराष्ट्र ने 286 अंकों के साथ कब्जा किया। जब कि सब जूनियर वर्ग की व्यक्तिगत श्रेणी में व्योम पावा गुजरात व बालिका वर्ग में रिया पाटिल महाराष्ट्र ने सर्वश्रेष्ठ तैराक का पुरस्कार प्राप्त किया। इसी तरह जूनियर वर्ग में तेजस नंद कुमार कर्नाटक और महिला वर्ग में साथी मंडल पीसीआई ने और सीनियर वर्ग में अन्नापुरेड्डी आंध्र व बालिका वर्ग में साधना मुल्लिक राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ तैराक घोषित किया गया। कार्यक्रम में पीसीआई तैराकी चेयरमैन ने दिव्यांगों के लिए स्पेशल कार बनाने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त रवीन्द्र पाण्डे, उत्तर प्रदेश की टीम के कप्तान विमलेश विशाल, कर्नाटक के अन्तर्राष्ट्रीय तैराक गोपीचंद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में संस्थान निदेशक देवेन्द्र चैबीसा, तैराकी कोच महेश पालीवाल, दल्लाराम पटेल, रोहित तिवारी, विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़, जसबीर सिंह, सुरेश डांगी, राकेश पानेरी, प्रेम मीणा भी मौजूद थे। संचालन महिम जैन ने व आभार रविश कावड़िया ने किया।

करंट ने छीने हाथ, फिर भी छुआ आकाश

रतलाम (मध्यप्रदेश) निवासी अब्दुल कादिर इंदौरी (15 वर्ष) 2014 में अपने दोस्तों के साथ लुका-छुपी खेल रहे थे। छुपने के लिए अब्दुल छत की तरफ दौड़कर गए लेकिन हाई टेंशन लाइन का उन्हें भान ना था। परिणाम स्वरुप वो 11 केवी करंट की चपेट में आ गए। अब्दुल के साथ खेल रहे साथियों ने दुर्घटना की जानकारी तुरंत अब्दुल के परिवार को दी। पिता हुसैन उसे अस्पताल लेकर गए। इस दुर्घटना से अब्दुल को दोनों हाथ खोने पड़े। एक दिन अब्दुल ने सोशल मीडिया पर एक तैराक को देखा जिसके दोनों हाथ नहीं थे।

बालक अब्दुल उससे इतना अधिक प्रभावित हुआ कि तैराक बनने का फैसला कर लिया। रतलाम में ही एक स्विमिंग कोच ने अब्दुल की प्रतिभा देखते हुए आगे आकर हुसैन से संपर्क किया और कहा कि वह अब्दुल को निशुल्क तैराकी प्रशिक्षण देना चाहते है। तब क्या था.... बच्चे को कोच के रूप में राजा भैया मानों भगवान के रूप में मिल गए। बालक का तैराकी प्रशिक्षण रोज होने लगा। कड़ी मेहनत और संघर्ष के बूते अब्दुल अब तक 15 वर्ष उम्र में ही राष्ट्रीय पैरालम्पिक में 8 गोल्ड और 3 सिल्वर मैडल जीत चुके हैं। नौवीं कक्षा में पढ़ रहे अब्दुल 21वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक स्विमिंग चैम्पियनशप के मुख्य आकर्षण थे। उनकी खुशियां आकाश छू रही हैं।

जलपरी देवांशी के नाम कई मेडल

फरीदाबाद निवासी देवांशी सतीजा जन्म से ही दाएं हाथ से दिव्यांग है। उनकी बड़ी बहन दिव्या एक तैराक है। एक बार बड़ी बहन ने स्विमिंग की स्टेट चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लिया था। तब दिव्या का खेल देखने पूरा परिवार गया। बहन का मनोबल बढ़ाने के लिए छोटी बहन देवांशी स्विमिंग पूल के पास खड़ी होकर चीख-चिल्ला उत्साह बढ़ा रही थी कि अचानक वह पानी में गिर गई। लोग सोच रहे थे कि बच्ची पानी में डूब जायेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ, देवांशी पानी में तैरती हुए स्विमिंग पूल से बाहर आ गई।

फिर क्या था देवांशी का जीवन ही बदल गया और उसने भी बहन की भांति तैराक बनने का निर्णय लिया। बड़ी बहन दिव्या ने देवांशी की प्रतिभा को देख उसे हर रोज स्विमिंग का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया। स्कूल खत्म होने के बाद देवांशी हर रोज घण्टों तक तैराकी प्रशिक्षण लेती रही। 19 वर्ष की उम्र में वह 50 से अधिक गोल्ड मैडल जीत चुकी है। इनमें 20 गोल्ड मैडल वह राष्ट्रीय पैरालिम्पिक में जीत चुकी है। बी. कॉम. में पढ़ने वाली देवांशी ने स्वीमिंग दर्शकों व खेल प्रेमियों को काफी प्रभावित किया।

बच्चों ने उल्लास से मनाए उत्सव

महाशिवरात्रि उत्सव

नारायण चिल्ड्रेन एकेडमी में फरवरी-मार्च के दौरान विभिन्न उत्सवों को बच्चों ने उत्साह व उल्लास से मनाया। बसंत पंचमी व महाशिव रात्रि समारोह का आयोजन फरवरी में किया गया। ड्राइंग व पेंटिंग प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिमा का परिचायक दिया। भक्ति गीत जितेंद्र और भगवान महावीर बालगृह के छात्र समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। कार्यक्रम का संचालन रंजीत कौर ने किया।

मजा मेला

नगर निगम उदयपुर की ओर से गुलाब बाग में आयोजित फन फेयर में प्री प्राइमरी के बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने विभिन्न बौद्धिक गतिविधियों व खेलों में भाग लिया। बच्चों ने दोपहर का भोजन भी वहीं किया। उन्होंने मेले में खेलकूद का खूब आनंद लिया।

तिलक होली

16 मार्च को स्कूल परिसर में होली महोत्सव आयोजित किया गया। जिसका संचालन निकिता सांखला ने किया। सभी बच्चों व शिक्षकों ने परस्पर तिलक होली खेली। बच्चों को होली से जुड़े प्रसंगों से अवगत कराया गया।

अब रूकेंगे नहीं, थकेंगे भी नहीं

*** 988 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग व कैलीपर लगेंगे इसी माह, 287 का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन * 300 को लगाए कृत्रिम हाथ-पांव व कैलीपर**

जो बन्धु बहिनें दुर्घटनाओं, बीमारी अथवा जन्म से ही हाथ-पैर से वंचित रहे अथवा विकृति का दंश झेलते रहे, उनकी पीड़ा को कम करने व उनकी दैनन्दिन जीवन शैली को सामान्य और आसान बनाने के लिए दानवीर भामाशाहों के सहयोग से मार्च 2022 में संस्थान ने छोटे-बड़े नगरों में निःशुल्क शिविर लगाकर दिव्यांग जन को कृत्रिम अंग व कैलीपर लगाने और सहायक उपकरण वितरण का व्यापक स्तर पर कार्य किया। प्रस्तुत है-संक्षिप्त रिपोर्ट।

शेदुर्णी (महाराष्ट्र) जलगांव अग्रवाल संगठन एवं अग्रवाल समाज शेदुर्णी के सौजन्य से 6 मार्च को दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर पारस मंगल कार्यालय शेदुर्णी में सम्पन्न हुआ। जिसमें 119 दिव्यांग जन के कृत्रिम हाथ-पैर व 27 के कैलीपर बनाने के लिए पी.एण्ड.ओ. नियांश व टेक्नीशियन भगवती लाल ने माप लिया। डॉ. वरूण श्रीमाल ने 25 का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया। मुख्य अतिथि जलगांव हॉस्पीटल के सिविल सर्जन डॉ. जय प्रकाश रामानन्द थे। अध्यक्षता अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री गोविन्द अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री पवन अग्रवाल, दुर्गेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, अमित अग्रवाल व मनोज अग्रवाल थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने अतिथियों का सम्मान किया।

खाटीमा (उत्तराखण्ड) ओली सीमेंट एजेन्सी के सौजन्य से खाटीमा मुख्य चौराह पर एजेन्सी के प्रांगण में 6 मार्च को सम्पन्न शिविर में पी.एण्ड.ओ. डॉ. अरविंद ठाकुर व टेक्नीशियन भगवती लाल ने 24 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम पांव व 14 के कैलीपर बनाने का माप लिया। ऑर्थेपेडिक सर्जन डॉ. सचिन ने 7 दिव्यांगों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र सिंह एसडीएम ऊधम सिंह नगर, विशिष्ट अतिथि सर्वश्री मोहन सिंह नेगी, धर्मानन्द ओली, हरिदत्त कापड़िया व श्रीमती जानकी देवी तथा शिविर अध्यक्ष श्री सतीश जी का स्वागत-सम्मान किया।

मुन्नसिंह, देलीलाल मीणा व हरीश रावत ने शिविर व्यवस्था में सहयोग किया।

हांसी (हरियाणा) मानव जागृति मंच, हांसी (हिसार) के सहयोग से 13 मार्च को बजरंग आश्रम में आयोजित सहायता शिविर में डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने उपस्थित दिव्यांगजन की जांच कर 42 का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया। जिससे इनकी दिव्यांगता में कमी आ सके। पीएण्डओ डॉ. गौरव तिवारी व टेक्नीशियन श्री नाथुसिंह 27 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 29 के कैलीपर बनाने का माप लिया।शिविर प्रभारी लाल सिंह के अनुसार मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री विनोद भियाना थे। अध्यक्षता श्री मदन मोहन सेठी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री श्याम माखीजा, सतीश कालरा, जगदीश जागड़ा व डॉ. रामस्वरूप यादव थे।आश्रम प्रभारी राम सिंह, मनीष हिन्डोनिया, बहादुर सिंह व सत्यनारायण ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) ज्ञानचंद गोयल धर्मशाला में नव शिव शक्ति दुर्गा मेडल एवं क्लब के सौजन्य से 13 मार्च को दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री अरूण गोयल थे। अध्यक्षता श्री सतीश गोयल ने की। शिविर में 15 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 14 के कैलीपर बनाने के लिए संस्थान की पीएण्डओ टीम ने माप लिया।

गाडरवारा (मध्य प्रदेश) नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा नगर स्थित पं. दीन दयाल उपाध्याय समागृह में धनलक्ष्मी मर्चेन्डाइज प्रा. लिमिटेड के सौजन्य से दो दिवसीय (13-14 मार्च) शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 406 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से 116 के लिए कृत्रिम अंग

व 16 के कैलीपर बनाने का पीएण्डओ डॉ नेहा व टेक्नीशियन किशन लाल ने माप लिया जबकि डॉ. आर.के सोनी ने 78 दिव्यांगों का सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयन किया। शिविर के मुख्य अतिथि धनलक्ष्मी मर्जेन्डाइज के निदेशक श्री दीपक शर्मा थे। अध्यक्षता कम्पनी के निदेशक श्री समर सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि प्रबंधक शमशेर सिंह, उद्योगपति दीपेश जी, विजयराव जी, अनूप जी, निदेशक धर्मेन्द्र जी व वरिष्ठ प्रबंधक रूद्रप्रताप सिंह थे। प्रभारी हरिप्रसाद ने उन्हें सम्मानित किया।

चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) पंजाबी समाज सेवा समिति के सहयोग से 13-14 मार्च को आयोजित विशाल शिविर में 475 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से 186 के लिए कृत्रिम अंग व 32 के लिए कैलीपर बनाने का माप पीएण्डओ डॉ. नेहांश मेहता व टेक्नीशियन

श्री नरेश वैष्णव ने लिया। डॉ. विजय कार्तिक ने 16 दिव्यांग का सुधारात्मक सर्जरी के लिए जांच कर चयन किया। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती राखी काचनवाल व शिविर अध्यक्ष विधायक श्री किशोर गेवार, विशिष्ट अतिथि पंजाबी समाज के अध्यक्ष श्री अजय कपूर, पूर्व अध्यक्ष विक्रम शर्मा व कुकू साहनी का स्वागत-सम्मान किया।

चूरू (राजस्थान) वन विहार स्थित सामुदायिक भवन में एल.एन. मेमोरियल चेरीटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 15 मार्च को सम्पन्न हुए कृत्रिम अंग माप शिविर में 55 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग व 26 के कैलीपर बनाने का मेजरमेंट करने के साथ ही 20 दिव्यांगों का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री प्रमोद बंसल थे। अध्यक्षता जिला आयुर्वेद अधिकारी श्री अनिल मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि पीडीयू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश मोहन, पुलिस उप अधीक्षक ममता कुमारी, एल.एन. मेमोरियल चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा समाज सेवी, तेज प्रकाश शर्मा व बनवारी लाल शर्मा थे। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी के अनुसार कृत्रिम अंग निर्माण के लिए माप लेने व ऑपरेशन के लिए दिव्यांगजन का चयन का कार्य डॉ रामनाथ ठाकुर व श्री नाथू सिंह की टीम ने किया।

जबलपुर (मध्य प्रदेश) विंध्य भवन, बैकंट हॉल कटिंगा में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री आर. एन. सिंह जी के सहयोग से 23 मार्च को सम्पन्न शिविर में 27 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर लगाएं गए जबकि 39 को कैलीपर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि अतिरिक्त आयुक्त (जीएसटी)थे। अध्यक्षता श्री एच.एन. मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. एच.पी. पटेल, श्री आर. एन. गुप्ता, शाखा प्रेरक श्री डी.आर. लखेरा,शाखा प्रेरक श्री आर.के. तिवारी व हनुमान प्रसाद थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया व संचालन में टेक्नीशियन श्री नाथु सिंह, भगवती पटेल, प्रकाश डामोर, देवीलाल मीणा व हरीश रावत ने सहयोग किया।

अहमदाबाद (गुजरात) साबरमती अंध कल्याण केन्द्र, करूणा ट्रस्ट एवं भारतीय जनता पार्टी के संयुक्त सौजन्य से 27 मार्च को आयोजित दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 68 दिव्यांगजन के लिए संस्थान की पीएण्डओ डॉ. नेहा अग्निहोत्री व टेक्नीशियन नाथू सिंह ने माप लिया। जब कि डॉ. नवीन ने निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 29 दिव्यांग भाई-बहिनों का चयन किया। मुख्य अतिथि राज्य के सामाजिक

न्याय व अधिकारिता मंत्री श्री प्रदीप परमार थे। अध्यक्षता साबरमती क्षेत्र के विधायक श्री अरविंद भाई पटेल ने की। विशिष्ट अतिथि करूणा ट्रस्ट के मंत्री श्री अमृत आर शाह, समाज सेवी श्री शंकर भाई एल. पटेल व अहमदाबाद आश्रम प्रभारी कैलाश चौधरी ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। व्यवस्था में मुकेश त्रिपाठी, सूरज सेन व बहादुर सिंह मीणा ने सहयोग किया।

शामली (उत्तर प्रदेश) माता अमृतानंदमयी देवी कृपा सेवा समिति के सौजन्य से जे.जे. फॉर्म, शामली में 27 मार्च को आयोजित सहायता शिविर में 25 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग व 16 के कैलीपर बनाने का नाप लेने के साथ ही 27 का चयन दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व पालिका चेयरमैन श्री अरविंद संगल व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री सूर्यवीर सिंह, श्री अमित गर्ग, डॉ. दीपक मित्तल व श्रीमती अनिता गर्ग थी। अध्यक्षता सेवा समिति के संस्थापक श्री सुनिल जी गर्ग ने की। कृत्रिम अंग व कैलीपर बनाने के लिए माप लेने का कार्य पीएण्डओ डॉ. ठाकुर व टेक्नीशियन श्री भगवती लाल ने किया। निःशुल्क सर्जरी के योग्य दिव्यांगों का चयन डॉ. राकेश ने किया। शिविर प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने संस्थान के सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए अतिथियों का अभिनन्दन किया।

पटना (बिहार) संजय आनन्द चिकित्सालय, लक्ष्मी नगर में दो दिवसीय (26-28 मार्च) कृत्रिम अंग वितरण शिविर श्री विमल कुमार जी जैन के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। जिसमें संस्थान की पीएण्डओ अंजलि कुमारी व टेक्नीशियन सुशील कुमार ने हादसों में अपने हाथ-पांव खोने वाले 212 दिव्यांगों के कृत्रिम लगाए तथा 22 को कैलीपर पहनाए। शिविर के मुख्य अतिथि

सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रवि शंकर जी थे। अध्यक्षता पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सुशील जी मोदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री विजय कुमार सिन्हा, आनन्द किशोर यादव, सुनील यादव, डॉ. एस.एस.झा व सुश्री योशम आदित्य मंचासीन थे। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

केलिपोंग (पं. बंगाल) दिशा सेन्टर में केलिपोंग अपंग कल्याण संगठन के सौजन्य से दो दिवसीय दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर 27-28 मार्च को सम्पन्न हुआ। जिसमें पीएण्डओ डॉ. पंकज कुमार व टेक्नीशियन किशन लाल ने 46 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 97 के लिए कैलिपर बनाने का माप लिया। निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 34 का चयन किया गया। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लद्ढा के अनुसार मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री रूदेन सादा लोपचा थे। अध्यक्षता विकलांग सेवा संस्थान के

उपाध्यक्ष श्री एम.वी. भूपल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री छोटेलाल प्रसाद, लव कुमार भुजंल, मनोज गट्टानी, रोशन मेनन, श्रीमती रजनी मेनन व श्रीमती ज्योति कारकी थे।

डासना (उत्तर प्रदेश) टीआरआई न्यूट्रीअंट प्रा.लि. गाजियाबाद के सौजन्य से डासना शहर में 30 मार्च को आयोजित शिविर में जरूरतमंद 15 दिव्यांगों को ट्राइसाईकिल, 5 को व्हील चेयर व 15 को बैसाखी की जोड़ी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री विनय जी चौधरी थे। अध्यक्षता श्री अश्विनी जी चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रक्षित बजाज, विनोद गुप्ता, संजय नागर, सैनिक फूड्स के श्री मुकेश कुमार व धर्मवीर प्रधान थे। गाजियाबाद आश्रम के श्री सुरेश गोयल व भंवर सिंह राठौड़ ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान व संयोजन शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने किया।

संस्थावलोकन

न्यायाधीश ने सराही नारायण सेवा

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुलदीप जी शर्मा ने 7 अप्रैल को नारायण सेवा संस्थान का अवलोकन कर दिव्यांगता में निःशुल्क सुधारात्मक सर्जरी के लिए देश के विभिन्न भागों से आए किशोर-किशोरियों से भेंट कर हौसला अफ़ज़ाई की व उनके सुखद जीवन की कामना की। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने स्वागत करते हुए संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों व रोजगारोन्मुख प्रशिक्षणों की जानकारी दी। शर्मा ने मानसिक विमंदित, प्रज्ञाचक्षु व दिव्यांग बालक-बालिकाओं के अधुनातन शिक्षण, आवासीय व्यवस्था, कृत्रिम अंग एवं कैलीपर कार्यशाला तथा दिव्यांगजन की सर्जरी को देखा व चिकित्सकों से तत् सम्बंधी जानकारी ली। निदेशक वंदना अग्रवाल ने शर्मा को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विमंदित बालक द्वारा हस्त निर्मित पोस्टर भेंट किया। उन्होंने बालक से भेंट कर उसकी प्रतिभा को सराहा। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता महिम जैन, संजय दवे, दिलीप चौहान व मोहित मेनारिया आदि भी मौजूद थे।

जीव दया से जीवन सार्थक: सुनील सागर

दिगम्बर जैनाचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि जीव दया में संलग्न व्यक्ति और परिवार का जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने पीड़ितों की सेवा को ईश्वर की सच्ची भक्ति बताया। वे 11 अप्रैल को नारायण सेवा संस्थान के मानव मन्दिर हॉस्पीटल में दिव्यांगजनों के बीच प्रवचन कर रहे थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने आचार्य की अगवानी करते हुए देश के विभिन्न राज्यों से दिव्यांगता में निःशुल्क सुधारात्मक सर्जरी के लिए आए किशोर-किशोरियों व उनके परिजनों से मिलवाया जिन्हें आचार्यश्री ने मंगल संदेश दिया। उन्होंने संस्थान के ऑपरेशन थियेटर, कृत्रिम अंग व कैलीपर कार्यशाला, विमंदित एवं प्रज्ञा चक्षु बालकों की हस्तशिल्प गैलेरी का भी अवलोकन किया और बच्चों से बातचीत की। संस्थापक कैलाश जी 'मानव' ने पाद प्रक्षालन कर महाराजश्री व ससंघ का स्वागत तथा बालगृह के बच्चों ने बैण्ड वादन कर अभिवादन किया। उपस्थित साधकों एवं दिव्यांगों के परिजनों ने जयघोष कर आशीर्वाद लिया। प्रवचन सभा का संयोजन महिम जैन ने किया।

शोभायात्रा

दिव्यांगों ने किया नवसंवत्सर अभिनन्दन

भारतीय नव वर्ष समारोह समिति की ओर से 2 अप्रैल को साध्वी रितम्भरा जी के सानिध्य में शहर में निकली नवसंवत्सर - 2079 शोभायात्रा में दिव्यांगजन ने भी शामिल होकर अभिनन्दन ज्ञापित किया। शोभायात्रा में 25 दिव्यांग ट्राईसाईकिल पर, 25 व्हील चेयर पर थे जब कि 25 कृत्रिम अंग सहारे चल रहे थे। शोभायात्रा में आजादी के अमृत महोत्सव व नवरात्रि स्थापना से सम्बधित आकर्षक झांकियां भी शामिल थी। जिसे आयोजक मण्डल ने प्रथम घोषित किया और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। भारत माता की वंदना करते शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव एवं नेताजी सुभाष बोस व स्वामी विवेकानंद की देश भक्ति का संदेश देती प्रेरक झांकियां भी शामिल थी। नवरात्रि कलश स्थापना, श्रीराम दरबार व सिन्दूरी हनुमान की झांकियों पर भी शहरवासियों ने जमकर पुष्प वर्षा की। शोभायात्रा में देशभक्ति के नारे लगाते संस्थान के कार्यकर्त्ता भी शामिल हुए।

भगवत्कृपा के प्रेरक अनुष्ठान

जीवन में सफलता समृद्धि तथा मन को शान्ति मिले और जीवन पूर्णतः सार्थक हो, इसके लिए व्यक्ति को उचित मार्ग दर्शन और सत्संग प्राप्त होना आवश्यक है। इसी निमित्त आपका अपना यह संस्थान कथा ज्ञान यज्ञ के आयोजन देश के विभिन्न शहरों गांवों व कस्बों में करता आ रहा है। इसी क्रम में कोटा व सूरजगढ़ (राजस्थान) तथा डिहबा (मध्य प्रदेश) में पिछले दिनों कथाओं के आयोजन सानन्द सम्पन्न हुए।

सूरजगढ़ राजस्थान के झुंझनु जिले के सूरजगढ़ में 22 से 28 मार्च तक श्रीमद् भागवत का पारायण कथा व्यास पूज्या जया किशोरी जी ने किया। पालीराम-बजृलाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में कथा पारायण के लिए भव्य मंच बनाया गया। सौजन्यकर्ता जोखीराम शाह परिवार की ओर से कथा से पूर्व कांया मन्दिर से शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारायण स्थल पर शाह परिवार ने श्रीमद् भागवत जी का पूजन कर आरती की और कथा वाचिका का सम्मान किया। कथा का सातों दिन संस्कार चैनल से सीधा प्रसारण हुआ। कथा में क्रमश एसडीएम दीपांशु सांगवान विधायक सुभाष पूनिया, प्रधान बलवान सिंह, पालिका चेयरमैन पुष्पा गुप्ता, विनोद शाह, श्याम सुन्दर शाह, महेश शाह, श्याम सुन्दर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पालीराम मुंशी, अनिल पंसारी आदि गणमान्य ने भी बतौर अतिथि उपस्थिति दी। जिनका आयोजकों की ओर से स्वागत-सम्मान किया गया।

डिहबा श्रीमद् भागवत कथा मर्मज्ञ पूज्य श्री अंकुश जी महाराज ने मध्य प्रदेश के रींवा जिला के ग्राम डिहबा में शुक्ला परिवार के सौजन्य से श्रीमद् भागवत कथा का 3 से 9 अप्रैल तक पारायण किया। सायं 5 से 7 बजे तक प्रतिदिन कथा का आस्था चैनल से सीधा प्रसारण भी हुआ। पूज्य अंकुश जी महाराज ने कहा कि जीवन में समग्र-सफलता एवं शान्ति का समन्वय केवल आध्यात्मिक विचारों एवं चिन्हन से ही हो सकता है इसलिए व्यक्ति को अपना जीवन सार्थक करने के लिए सत्संग व शास्त्रों का स्वाध्याय मनन करते हुए कर्त्तव्यों का पालन करते रहना चाहिए।

कोटा नारायण सेवा संस्थान एवं श्रीमती शकुन्तला देवी-चन्द्रशेखर जी मेहरा परिवार के संयुक्त तत्वावधान में खण्डेलवाल वैश्य भवन, रवड़े गणेश मन्दिर रोड़, कोटा में 25 से 31 जनवरी तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसमें आस-पास गांवों-क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने बड़े ही मनोयोग से भक्तिसुधा का पान किया। व्यासपीठ से पूज्य श्री रमाकान्त जी महाराज ने क्रम से श्री कृष्ण जन्म, बाल लीला, माखन चोरी, कालिया नाग, मर्दन, उद्धव-गोपी संवाद रूक्मणि मंगल, सुदामा चरित्र, शुकदेव जन्म सहित विविध प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया। कथा का सातों दिन 1 से 4 बजे तक सत्संग चैनल से देशभर में सीधा प्रसारण किया गया।

पर्वोत्सव

देवी स्वरूपा दिव्यांग 101 कन्याओं का पूजन

नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड़ा हॉस्पीटल परिसर में 8 अप्रैल को 101 दिव्यांग कन्याओं का माता स्वरूप पूजन किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आई इन कन्याओं के नवरात्रि सप्ताह के दौरान दिव्यांगता में सुधार के लिए निःशुल्क ऑपरेशन किए गए थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने उपहार, प्रसाधन सामग्री व नैवेद्य के साथ जरूरतमंद कन्याओं को व्हील चेयर, कैलीपर प्रदान कर महाआरती की। संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने संदेश में कहा कि जो परिवार व समाज बेटियों के प्रति पूर्ण संवेदनशील होकर उनका पथ प्रशस्त करता है। वह राष्ट्र के विकास में बड़ा योगदान करता है। निदेशक वंदना अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं ने पृथ्वी से आकाश तक अपनी उपलब्धियों से यह साबित कर दिया है कि वह वस्तुतः शक्ति स्वरूपा हैं और उनके सम्मान से मंगल ही होता है। महिम जैन, राकेश शर्मा, दिलीप चौहान, प्रवीण कुमार, शीतल अग्रवाल व मोहित मेनारिया ने भी पूजा-अर्चना में सहयोग किया।

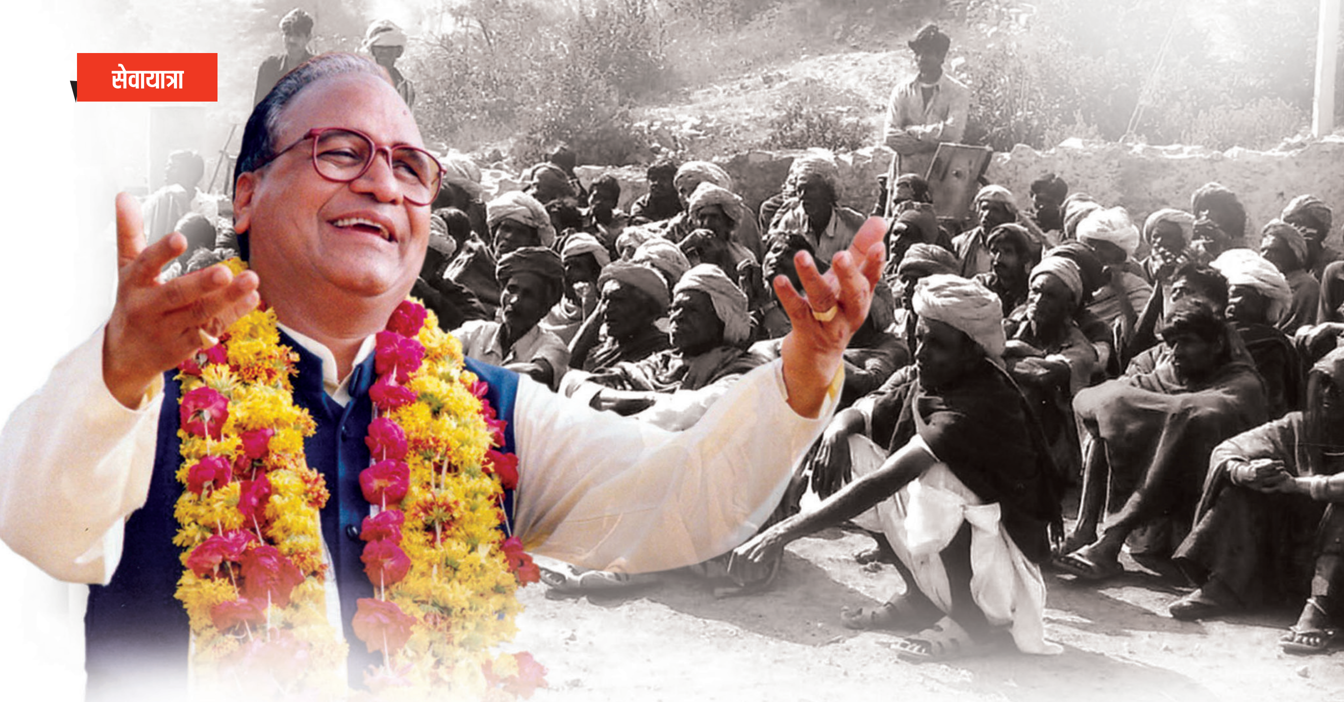

झीनी-झीनी रोशनी (36)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

घायलों में अहमदाबाद का एक समृद्ध व्यक्ति भी था। उसने अपने परिजनों को फोन कर दिया था। उसके दो लड़कियां थी, दोनों विवाहित थीं। दोनों अपने पतियों के साथ गाड़ी लेकर आ रही थी। कमला जो कपड़े लेकर आई थी वे उन घायलों को दे दिये जिनके कपड़े खून से खराब हो गये थे या दुर्घटना में फट गये थे। अस्पतालकर्मियों के साथ कैलाश व कमला भी घायलों की चिकित्सा में सहयोग करने लगे। ज्यूं-ज्यूं खबर मिलती गई घायलों के परिजन, मित्र आने लगे। अहमदाबाद के सेठ की भी दोनों बेटियां और उनके पति आ गये। सेठ का खून काफी बह गया था इसलिये उन्हें तुरन्त खून देने की जरूरत थी। डॉक्टर ने दोनों लड़कियों और जवाईयों का खून टेस्ट किया। सबका खून सेठ से मिल गया। डॉक्टर ने अब इन्हें खून देने के लिये तैयार होने को कहा तो दोनों जवाईयों ने इन्कार कर दिया। कैलाश वहीं खड़ा था, उसे कानों पर यकीन नहीं हो रहा था कि उसने सही सुना है या नहीं, मगर उसकी आंखों के सामने सब घट रहा था। दोनों अड़े हुए थे, अपने श्वसुर तक को खून देने को तैयार नहीं थे। डॉक्टर उन्हें समझा रहा था पर वे मानने को ही तैयार नहीं थे। बार-बार कहे जा रहे थे, खून किसी से खरीद लो, जितने पैसे लगेंगे वो देने को तैयार हैं। सेठ की हालत खराब थी, उसे खून देने की सख्त आवश्यकता थी, कैलाश मन ही मन इन जवाईयों की अज्ञानता और अहंकार पर आश्चर्य व्यक्त कर रहा था, हर चीज अगर खरीदी जा सकती है तो फिर खून खरीदने की भी क्या जरूरत है, मरीज अगर मर भी जाये तो उसकी जिन्दगी खरीद लेना, जितने पैसे लगे दे देना। कैलाश का ब्लड ग्रुप मेच नहीं हो रहा था वरना इतनी नोबत ही नहीं आती। अस्पताल में सभी घायलों की देखभाल शुरू हो चुकी थी, कैलाश का अब यहां कोई काम नहीं था, पोस्ट ऑफिस से वह अचानक ही उठकर पिण्डवाडा चला गया था, अब वापस उसने काम पर लौटने की सोची।

क्रमशः

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

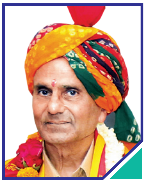
संस्थान के परम संरक्षक श्री रमेश भाई चावड़ा,यूके

पं. महावीर प्रसाद शर्मा सीकर (राज.)

श्री हरशला दीक्षित मुरादाबाद (उ.प्र.)

श्री देवराज चौहान सिरमौर (हि.प्र.)

श्री शान्ति लाल नारायण चौहान, करंज (गुजरात)

श्रीमती जी बेबी सरोजनी देवी बेल्लारी (कर्नाटक)

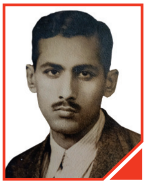
स्व. श्री तीरथ दास यू.रामचंदानी (खटवानी) बांद्रा (मुम्बई)

स्व. श्रीमती देवी बाई यू. रामचंदानी (खटवानी) बांद्रा (मुम्बई)

श्री दिलवर सिंह रावत एवं श्रीमती सतेश्वरी रावत,देहरादून (उ. ख.)

श्री सुशील कुमार शर्मा एवं श्रीमती विमला शर्मा छतरपुर (म.प्र.)

श्री ओम प्रकाश विजयवर्गीय स्व. श्रीमती उर्मिला देवी अजमेर (राज.)

शाखा प्रेरणा स्रोत माह फरवरी व मार्च-2022

शाखा संयोजक डॉ. विवेक गर्ग कैथल (हरियाणा)

शाखा प्रेरक श्री अजीतकुमार शास्त्री अम्बाला (हरियाणा)

सेवा प्रचारक श्री आदाराम धूला जी भाटी सिरोही (राजस्थान)

सेवा प्रेरक श्री सुरेन्द्र प्रसाद गर्ग गुरूग्राम (हरियाणा)

सेवा प्रचारक श्री विजय आनन्द गुप्ता, नई दिल्ली

समर्पित सेवा साधक दल्लाराम जी पटेल को विनम्र श्रद्धांजलि

22 वर्षों से नारायण सेवा संस्थान को एक कर्मठ एवं सेवाभावी साधक के रूप में सींचने वाले दल्लाराम जी का 3 अप्रैल को ह्रदयगति रूकने से असामयिक निधन हो गया। मृदुभाषी, मिलनसार और हर दिल अजीज का यूं जाना... सभी साधकों को मायूस कर गया। संस्थान परिवार इस अपूरणीय क्षति के लिए नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित करता है। संस्थान चेयरमैन कैलाश जी मानव और अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने दल्लाराम जी जैसे व्यक्तित्व को नम आंखों से पुष्प अर्पित कर विदा किया। संस्थान में पुष्पांजलि सभा भी आयोजित की गई। वे अपने पीछे पूज्य पिता धुलाजी पटेल, देऊ बाई (पत्नी) भाई मानाराम जी, उदय लाल जी, नाथुलाल जी, नरेश जी, कन्हैयालाल जी पुत्री दीपिका, पुत्र मनीष पटेल सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। प्रभु उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें।

विनम्र श्रद्धांजलि

संस्थान की चुरू(राजस्थान) शाखा के प्रभारी श्रीमान गोरधन जी शर्मा, झोथड़ा-तारानगर का आकस्मिक निधन दिनांक 8 अप्रैल-2022 को हो गया। वे संस्थान के सम्मानित दानदाता थे। उनके मन में दिव्यांगों के प्रति बहुत सेवा भावना थी। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने आदरणीय गोरधन जी शर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे पीड़ित व दीन-दु:खियों के सम्बल थे। उन्होंने ईश्वर से स्वर्गस्थ आत्मा की शान्ति एवं परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की। शर्मा जी अपने पीछे भरा-पूरा सम्पन्न परिवार छोड़ गये हैं।

सादर सूचना

संस्थान के सेवा प्रकल्पों में 1 लाख या इससे अधिक का दान-सहयोग समर्पित करने वाले दानवीर-भामाशाहों का शुभ नाम मय फोटोग्राफ 1 मई-2022 से प्रकाशित किए जायेंगे। दानी सज्जनों से प्रार्थना कृपया उक्त जानकारी संस्थान को भिजवायें। - सम्पादक

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (नि:शुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- नि:शुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

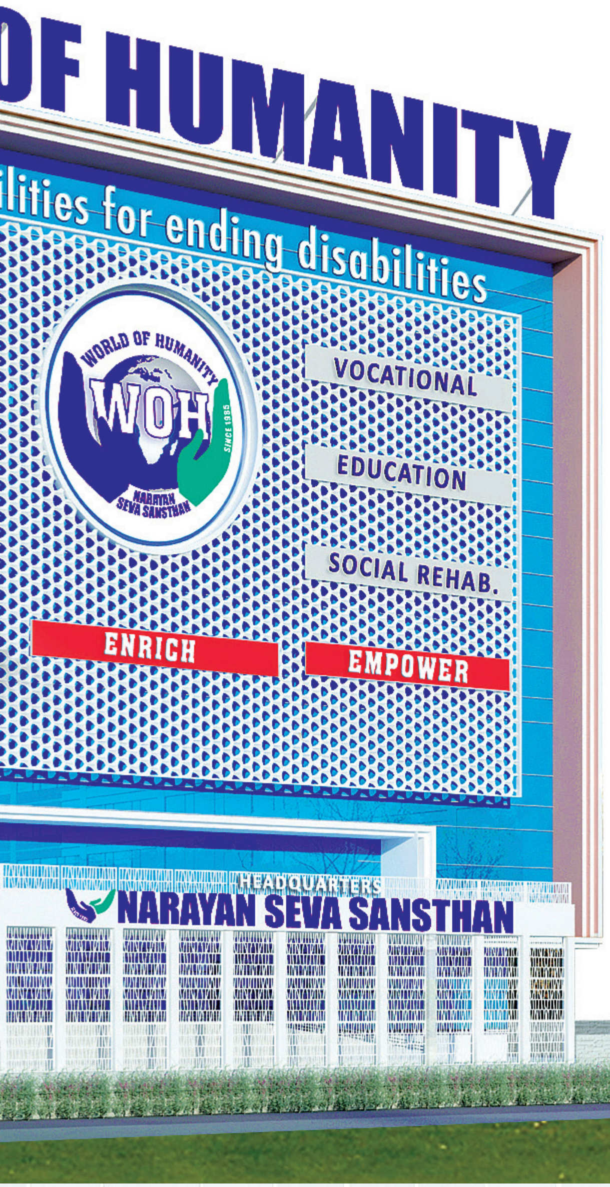

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का नि:शुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर
- रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

....

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103,
ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस.,
लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1,
गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर
08306004806, प्लॉट नंबर 37,
गोरले ले आउट,गोपाल नगर,
दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव
शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8,
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल
मो.: 8306004815, मकान न. 415,
सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग
भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी,
मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस,
दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल
095299 20089
ए -846, न्यू अशोका
गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास,
रायसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298,
वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास,
वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन
हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, 209ए, तलवंडी
कोटा (राज.) 324005

जयपुर
08696002432, बी-16 गोविन्ददेव
कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे,
गणगौरी बाजार,जयपुर

नाथद्वारा
मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे
श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड
के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा,
दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
09453045748, 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प
के पास, मोदी बाग के सामने
मोदीनगर -201204

बरेली
मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर,
जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084, दानदाता :
डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435,8588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080,ओ.बी. 3/27 गुजरात
हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर,
4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड,
बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के
सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति
कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी
रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल
बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर
ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा
गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी
बैंक के पीछे, स्टेशन रोड,
रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लायें खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi
संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण घोषणा पत्र-4

1. प्रकाशन स्थल	:	उदयपुर
2. प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3. मुद्रक का नाम	:	न्यूट्रेक ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड
4. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
5. पता	:	13, भोपा मगरी, हिरण मगरी, सेक्टर- 3, उदयपुर (राज.) 313001
6.प्रकाशक का नाम	:	प्रशान्त अग्रवाल
7. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
8. पता	:	483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001
9.सम्पादक का नाम	:	प्रशान्त अग्रवाल
10. क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
11.पता	:	483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313001
12. उन व्यक्तियों के नाम व पते	:	प्रशान्त अग्रवाल

जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक साझेदार या हिस्सेदार हों।

मैं प्रशान्त अग्रवाल एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 30 अप्रैल, 2022 -प्रशान्त अग्रवाल

सेवा-प्रेरक बन सेवाधर्म निभाएं

साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जाएगा, मिलकर हाथ बढ़ाना, साथी हाथ बढ़ाना...

समाज के दीन-दुःखी, दिव्यांग एवं वंचितजनों को मदद पहुंचाने की मुहिम में...आपश्री बनें सेवा-प्रेरक

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें

+91-294-6661097, +91-7023420005

Seva Soubhagya 1 May, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,00,000) cost- Rs.5/-